सुविचार

दुनिया में रहने की सबसे अच्छी दो जगह हैं- या तो किसी के दिल में या फिर किसी की दुआओं में।

दैनिक

पंचकूला ऑब्जर्वर

सच की सीधी आवाज

वर्ष : 1 | अंक : 8 | पंचकूला। वीरवार, 12 फरवरी 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

एक नजर

गायों की मौतों को लेकर एमसी हाउस में आप पार्षदों का प्रदर्शन

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) चंडीगढ़ के पार्षदों ने आज म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन हाउस में लीडर ऑफ अपोजिशन श्री हरदीप सिंह के नेतृत्व में गायों की लगातार हो रही मौत के मुद्दे पर जोरदार धरना दिया। इस दौरान पार्षदों ने मरी हुई गायों के पोस्टर भी सदन में प्रदर्शित किए। आज भाजपा के मेयर सौरभ जोशी ने पहली बार मेयर के रूप में हाउस का संचालन किया। आप पार्षदों ने इस गंभीर मुद्दे को सदन में उठाते हुए कहा कि गौशालाओं की स्थिति और प्रबंधन पर तुरंत और विस्तृत चर्चा होना अत्यंत आवश्यक है। सभी पार्षदों ने एकजुट होकर मेयर से स्पेशल हाउस मीटिंग बुलाने की मांग की।

मनीमाजरा में 13 चालान काटे, एमसी ने बैन पॉलीथीन पर की कार्रवाई

चंडीगढ़। चल रहे स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 कैंपेन के तहत एक सख्त कार्रवाई करते हुए, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चंडीगढ़ ने आज मनीमाजरा में बैन पॉलीथीन के इस्तेमाल के खिलाफ एक खास ड्राइव चलाई, जिससे सिंगल-यूज़ प्लास्टिक पर अपने ज़ीरो-टॉलरेंस के रुख को फिर से पक्का किया गया। कार्रवाई के दौरान, बैन प्लास्टिक मटीरियल का इस्तेमाल करते हुए पाए गए नियम तोड़ने वालों के 13 चालान काटे गए। कॉर्पोरेशन ने साफ किया कि नियमों का पालन न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, और पर्यावरण के नियमों का पूरी तरह से पालन पक्का करने के लिए ऐसे सरप्राइज इंस्पेक्शन रेगुलर तौर पर किए जाएंगे। कार्रवाई के साथ-साथ, शिवालिक एन्क्लेव, ह्रष्ट वार्ड नंबर 6, मनीमाजरा में एक बड़ा साफ-सफाई और जागरूकता कैंपेन चलाया गया।

यूथ स्पोर्ट्स एसोसिएशन करेगी रक्तदान शिविर का आयोजन

चंडीगढ़। यूथ स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा 14 जनवरी, शनिवार को महावीर दल अस्पताल,लाडवा में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर पुलवामा हमले में वीरगति को प्राप्त शहीदों की पावन स्मृति को समर्पित रहेगा। इस रक्तदान शिविर की जानकारी देते हुए संगठन के अध्यक्ष चौधरी जोगध्यान ने बताया कि एल.एन.जे.पी. हॉस्पिटल, कुरुक्षेत्र की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम रक्त संग्रह के लिए विशेष रूप से उपस्थित रहेगी।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हरियाणा इंडस्ट्री लेबर फ्रेंडली काउंसिल की बैठक

उद्योग और श्रमिकों के बीच संतुलन स्थापित करने की दिशा में अहम पहल : अरुण ग्रोवर

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हरियाणा इंडस्ट्री लेबर फ्रेंडली काउंसिल की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में काउंसिल के मनोनीत सदस्यों अरुण ग्रोवर सहित अन्य ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया तथा राज्य में उद्योग एवं श्रम के मध्य सौहार्दपूर्ण वातावरण स्थापित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की।

बैठक में पंचकूला चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन एवं हरियाणा इंडस्ट्री लेबर फ्रेंडली काउंसिल के सदस्य श्री अरुण ग्रोवर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में गठित इस त्रिपक्षीय काउंसिल को देश में अपनी तरह की एक अभिनव पहल बताते हुए कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा उद्योग, मजदूर और सरकार के बीच समन्वय स्थापित करने हेतु यह ऐतिहासिक कदम उठाया गया है।

श्री ग्रोवर ने कहा कि काउंसिल का मूल उद्देश्य राज्य में औद्योगिक उत्पादकता को बढ़ाना, श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार लाना तथा उद्योग और श्रमिकों के बीच उत्पन्न होने वाले विवादों का समयबद्ध एवं व्यावहारिक समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री द्वारा काउंसिल को छह प्रमुख बिंदुओं पर विशेष रूप से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं, जिनमें औद्योगिक विकास, श्रमिक कल्याण, रोजगार सृजन, विवाद निवारण तंत्र को सुदृढ़ करना, उत्पादकता वृद्धि तथा राज्य को औद्योगिक क्षेत्र में अग्रणी बनाना शामिल है।

उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल हरियाणा बल्कि पूरे देश में एक नई दिशा प्रदान करेगी। उद्योग और श्रमिकों के बीच मैत्रीपूर्ण एवं सहयोगात्मक संबंध स्थापित होने से राज्य में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा तथा श्रमिकों को बेहतर कार्य परिस्थितियां एवं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। श्री ग्रोवर ने विश्वास व्यक्त किया कि इस काउंसिल के माध्यम से हरियाणा औद्योगिक विकास के मानचित्र पर देश में अग्रणी स्थान प्राप्त करेगा।

ग्रोवर ने आगे कहा कि आने वाले समय में वे राज्य की औद्योगिक इकाइयों, श्रमिक संगठनों, उद्योग संघों, ट्रेड यूनियनों, समाजसेवी संस्थाओं तथा श्रम विभाग से जुड़े सभी पक्षों के साथ समन्वय स्थापित करने की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उनका उद्देश्य सभी हितधारकों को एक साझा मंच पर लाकर संवाद, सहयोग एवं विश्वास की संस्कृति को मजबूत करना है, ताकि श्रमिक कल्याण से जुड़े मुद्दों पर सामूहिक और प्रभावी प्रयास किए जा सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे उद्योग और श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए सभी संबंधित संगठनों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेंगे तथा व्यावहारिक और सकारात्मक सुझावों के माध्यम से सरकार के विज़न को आगे बढ़ाने में योगदान देंगे।

बैठक में उपस्थित अरुण ग्रोवर ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के इस दूरदर्शी कदम की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि हरियाणा सरकार की यह पहल राज्य को एक मॉडल इंडस्ट्रियल एवं लेबर-फ्रेंडली राज्य के रूप में स्थापित करने में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

युवक पर डंडों से किया हमला, आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़ । थाना 34 पुलिस ने युवक पर डंडो से हमला कर जख्मी करने के मामले में आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।और पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के अनुसार पता चला कि बीती रात 10 फरवरी को सैक्टर 32 में शादी समारोह था।शादी समारोह में दो युवकों के गुट भी शामिल थे।किसी बात को लेकर दोनों गुटों में झगड़ा हो गया।

झगड़ा बढ़ते देख शादी समारोह में शामिल सेक्टर 32 निवासी उमेश घई दो गुटो में हो रहे झग? को छुड़वाने के लिए चला गया।

इसी दौरान एक गुट ने छु?वाने गए युवक पर डंडो से हमला कर उसे बुरी तरह से जख्मी कर दिया। जिसके चलते हड़कंप मच गया। आसपास के लोग इकट्ठे हो गए। जिसे तुरंत सैक्टर 32 के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया।जिसके सिर पर 5 टांके और बाजू के ऊपर के पास गहरी चोट लगी।वही थाना 34 पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए आरोपी आशीष, दीपक कुमार राहुल और अन्य के खिलाफ कारवाई कर उन्हें गिरफ्तार कर बाद में जमानत पर रिहा कर दिया। पीड़ित परिवार वालो का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कारवाई की जाए।

मोहाली में 16 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

पंचकूला ऑब्जर्वर

मोहाली, 11 फरवरी। शहर में आज फिर से अफरा तफरी मच गई जब सुबह 16 स्कूलों और कॉलेजों को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई।

धमकी भरे मेल में दोपहर 1=11 बजे स्कूलों में बम ब्लास्ट की बात कही गई थी। साथ ही पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को मानव बम से उड़ाने और 13 फरवरी को दोपहर 2=11 बजे नई दिल्ली स्थित संसद भवन में धमाका करने की चेतावनी भी दी गई , जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को निशाना बनाने का जिक्र किया गया है। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 7=30 बजे स्कूल प्रबंधन को धमकी भरी ई-मेल प्राप्त हुई। स्कूलों का समय 8=50 बजे का था, लेकिन मेल मिलते ही तुरंत पुलिस को सूचना दी गई और एहतियातन सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई।

स्कूल प्रबंधन ने अभिभावकों को अर्जेंट संदेश भेजकर बच्चों को तुरंत घर ले जाने के लिए कहा। स्कूल बसों को गेट से ही लौटा दिया गया और बच्चों को स्कूल परिसर में प्रवेश नहीं दिया गया। कई स्कूलों में बच्चे गेट के बाहर ही अपने अभिभावकों का इंतजार करते दिखाई दिए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मोहाली पुलिस हाई अलर्ट पर आ गई। एसएसपी हरमन दीप हंस ने बताया कि अब तक 16 स्कूलों को धमकी भरी ई-मेल मिली है। इनमें मोहाली सिटी, खरड़ और जीरकपुर के स्कूल शामिल हैं। स्थिति से निपटने के लिए 15 वरिष्ठ अधिकारियों सहित 300 पुलिस जवान तैनात किए गए हैं। मोहाली के अलावा फतेहगढ़ साहिब, रोपड़ और चंडीगढ़ से भी एंटी-सबोटाज और बम निरोधक टीमें बुलाई गई हैं।

डीएसपी सिटी हरसिमरन बल लर्निंग पाथ स्कूल पहुंचे, जबकि डीएसपी सिटी वन पृथ्वी चहल पैरागॉन स्कूल में जांच के लिए पहुंचे। पुलिस ने स्कूलों के आसपास के इलाकों को सील कर दिया और किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं दी।

इन स्कूलों को मिली धमकी

जिला शिक्षा अधिकारी (डी ई ओ) गिन्नी दुग्गल के अनुसार, पैरागॉन, लर्निंग पाथ, माइंड ट्री, जीडी गोयनका, विवेक स्कूल, इंडस सहित कई नामी स्कूलों को धमकी मिली है। सभी स्कूलों को अपनी ई-मेल जांचने और सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। पैरागॉन स्कूल की क्रिकेट एकेडमी को भी खाली कराया गया, जबकि इन्फेंट जीसस कॉन्वेंट स्कूल समेत कई संस्थानों में जांच जारी है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन राष्ट्रसेवा और वैचारिक शुचिता का अनुपम उदाहरण : भारत हितैषी

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला, 11 फरवरी। हितैषी फाउंडेशन के चेयरमैन और सेक्टर 10 एजीवं नगर निगम वार्ड नंबर 4 निवासी भारत हितैषी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन राष्ट्रसेवा, वैचारिक स्पष्टता और संगठनात्मक समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि गहन चिंतक, प्रखर दार्शनिक और भारतीय संस्कृति के सच्चे साधक थे।

भारत हितैषी ने अपने संदेश में कहा कि 25 सितंबर 1916 को उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद के नगला चंद्रभान गांव में जन्मे पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने कठिन परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों से कभी समझौता नहीं किया। बाल्यकाल में माता-पिता और बाद में अपने भाई एवं बहन के असामयिक निधन जैसे गहरे आघातों के बावजूद उन्होंने शिक्षा और राष्ट्रकार्य को ही अपना ध्येय बनाया। वे प्रारंभ से ही मेधावी छात्र रहे और अपनी प्रतिभा के बल पर अनेक सम्मान प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि पंडित जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से संगठनात्मक जीवन की शुरुआत की और बाद में भारतीय जनसंघ के निर्माण एवं विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना से लेकर 1968 में उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने तक उनका योगदान संगठन को वैचारिक आधार देने में निर्णायक रहा।

उनका 'एकात्म मानववाद' का दर्शन आज भी भारतीय राजनीति और नीति-निर्माण के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में प्रासंगिक है। भारत हितैषी ने कहा कि ÷अनेकता में एकता÷ की भावना को उन्होंने अपने चिंतन और आचरण दोनों में आत्मसात किया। उनका जीवन व्यक्तिगत शुचिता, सादगी और नैतिकता का प्रतीक था। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में यह स्थापित किया कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण का पवित्र दायित्व है। 11 फरवरी 1968 को मुगलसराय रेलवे स्टेशन के निकट हुई उनकी आकस्मिक मृत्यु को स्मरण करते हुए भारत हितैषी ने कहा कि वह दिन भारतीय राजनीति के इतिहास में अत्यंत दुःखद था। आज भी देशवासी उनके विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेते हैं।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य करें। पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर आयोजित समर्पण समारोह में भारत हितैषी, हितैषी फाउंडेशन के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर बी के गुप्ता, संरक्षक बी एम कौशिक, जी डी बत्रा, अरुण बंसल,परवीन गुगलानी, तिलक राज कपूर, राजिंदर कांत, सुनील गुप्ता, दिनेश सिंगला, अविनाश मेहता, सचिव स्वदेश कपूर, पार्क प्रधान ब्रिज लाल जैन, महासचिव ठाकुर मेहर सिंह, सुमन, साक्षी रोहिल्ला और अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पीएम सूर्य घर योजना : 1000 से अधिक लोगों ने सोलर कैंपों में ली भागीदारी

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 11 फरवरी। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पीएम सूर्य घर= मुफ्त बिजली योजना के तहत चंडीगढ़ में आयोजित सोलर अवेयरनेस एवं फैसिलिटेशन कैंपों को शहरवासियों का उत्साहजनक समर्थन मिल रहा है। पिछले दो दिनों में यूनियन टेरिटरी चंडीगढ़ के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कैंपों में 1000 से अधिक लोगों की भागीदारी दर्ज की गई, जो रूफटॉप सोलर सिस्टम को लेकर बढ़ती जागरूकता का संकेत है।

इन कैंपों का आयोजन चंडीगढ़ प्रशासन के विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के अधीन चंडीगढ़ रिन्यूएबल एनर्जी एंड साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन सोसाइटी (क्रेस्ट) द्वारा किया जा रहा है। कैंपों में आम नागरिकों को रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन से संबंधित तकनीकी जानकारी, ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन और बैंक ऋण सुविधा एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही है।

मौके पर मौजूद एम्पैनल्ड वेंडर्स और बैंकों की भागीदारी से प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया गया है। आउटरीच कार्यक्रम के तहत सेक्टर-17 स्थित चंडीगढ़ ट्रेडर्स एसोसिएशन के साथ भी बैठक आयोजित की गई। बैठक में व्यापारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर सुझाव दिए। इस संवाद से विशेषकर व्यापारिक समुदाय के आवासीय परिसरों में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर समन्वय मजबूत हुआ। जनता की सकारात्मक प्रतिक्रिया को देखते हुए क्रेस्ट ने तीन नए स्थानों पर अतिरिक्त कैंप लगाने की घोषणा की है।

आस्था

भागवत कथा के दूसरे दिन सैकड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी

विदुरानी और श्री कृष्ण की प्रेम गाथा निश्छल भक्ति का प्रतीक : स्वामी राम जी दास वशिष्ठ

पंचकूला, 11 फरवरी। विदुर की पत्नी विदुरानी की प्रेम गाथा निश्छल भक्ति का प्रतीक है। जब कृष्ण हस्तिनापुर में दुर्योधन का शाही भोजन त्याग कर विदुर की कुटिया में गए तो प्रेम में अंधी विदुरानी ने उन्हें केले के गुदे की बजाय छिलके खिला दिए थे। भगवान ने उस सच्चे प्रेम को स्वीकार किया और केले के छिलके स्वाद ले कर खाए जो यह सिद्ध करता है कि कृष्ण केवल भाव और भक्ति के भूखे हैं।÷

यह प्रवचन सेक्टर 10 के सनातन धर्म मंदिर के प्रांगण में वार्षिक मूर्ति स्थापना उत्सव के दूसरे दिन स्वामी राम जी दास वशिष्ठ जी ने अपने मुखारविंद से व्यक्त किए।

आज बुधवार को भागवत कथा के दूसरे दिन की कथा में सैकड़ों श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ को अपने उद्बोधन में स्वामी जी ने विदुर जी के हस्तिनापुर त्याग की जानकारी देते हुए बताया कि जब धृतराष्ट्र को अधर्म का साथ न देने की सलाह पर धृतराष्ट्र द्वारा विदुर जी का अपमान करने से दुखी विदुर जी वन चले गए और अंत में वे अपनी आत्मा का परमात्मा से मिलन करा कर देह त्याग कर दिया।

स्वामी राम जी दास वशिष्ठ ने बताया कि भक्त प्रहलाद की रक्षा और अत्याचारी हिरणाकश्यप का वध करने के लिए नरसिंह अवतार लिया। हिरणाकश्यप की तमाम हत्या की कोशिशों के बावजूद प्रहलाद विष्णु भक्ति में अटल रहा जिस के बाद भगवान ने %नरसिंह अवतार% ले कर प्रहलाद की रक्षा की। उन्होंने गोधूली बेला में घर की चौखट पर अपनी जांघों पर लिटा कर नाखूनों से उस का सीना चीर कर उस का वध किया और अपनी पत्नी भूमि को वापिस स्थापित किया।

स्वामी राम जी दास वशिष्ठ ने श्रद्धालुओं को ध्रुव की भगवान विष्णु की अटूट भक्ति का उल्लेख करते हुए बताते हैं कि किस प्रकार अपनी सौतेली मां द्वारा अपमानित किए जाने पर तपस्या कर के भगवान विष्णु को प्रसन्न कर ध्रुव तारे के रूप में अमर हो जाते हैं जो ईश्वर में अथाह आस्था और दृढ़ता का प्रतीक है।

कथा के दौरान स्वामी कमल राम जी दास के मधुर रसीले भजनों पर श्रद्धालु खूब नाचे झूमे और सारा मंदिर परिसर जय कृष्णा जय राधे के जयकारों से भक्तिमय हो गया।

कथा के समापन पर मंदिर सभा द्वारा श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण और स्वादिष्ट भंडारा वितरण का आयोजन किया गया।

गुरमीत सिंह खुड्डियां ने 13 कृषि सब-इंस्पेक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपे

■ **कृषि मंत्री ने नव-नियुक्त ए.एस.आई को बधाई दी; ईमानदारी से किसानों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया**

चंडीगढ़। राज्य के कृषि आधारभूत ढांचे और जमीनी स्तर पर सेवाओं के विस्तार को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री सरदार गुरमीत सिंह खुड्डियां ने आज यहां अपने कार्यालय में 13 नव-नियुक्त कृषि सब-इंस्पेक्टरों (ए.एस.आई.) को नियुक्ति पत्र सौंपे।

नव-नियुक्त ए.एस.आई को सरकार की प्रगतिशील नीतियों और किसानों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए स. गुरमीत सिंह खुड्डियां ने उन्हें बधाई दी और पूर्ण ईमानदारी एवं समर्पण के साथ राज्य के किसानों की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नव-नियुक्त कर्मचारियों से कहा कि आपका आचरण और जिम्मेदारी कृषि क्षेत्र की समृद्धि पर सीधा प्रभाव डालेगी क्योंकि आप आज देश के 'अन्नदाता के प्रति अपनी जिम्मेदारी से जुड़ रहे हैं। कृषि विभाग में कर्मचारी सेवाओं के विस्तार पर सरकार द्वारा दिया जा रहा निरंतर ध्यान विस्तार से बताते हुए सरदार खुड्डियां ने कहा कि मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली सरकार के सत्ता संभालने से अब तक कृषि विभाग में 133 कृषि सब-इंस्पेक्टर (ए.एस.आई) और 200 कृषि विकास अधिकारी (ए.डी.ओ.) की भर्ती की गई है।

उन्होंने कहा कि ये भर्तियां विभाग में नई ऊर्जा का संचार कर रही हैं और किसानों को प्रभावी ढंग से सेवा प्रदान करने की हमारी क्षमता को और मजबूत कर रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार ने विभिन्न सरकारी विभागों में 63,943 युवाओं को सरकारी नौकरियां प्रदान की हैं। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर इन भर्तियों से विभिन्न विभागों में लंबे समय से खाली पड़े पदों को भरा गया है, जो पंजाब के लोगों को कुशल और पारदर्शी ढंग से सेवाएं प्रदान करने के प्रति राज्य सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव अर्शदीप थिंद, निदेशक कृषि गुरजीत सिंह बराड़ और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री की अगुवाई वाली पंजाब सरकार किसानों को मानक खेती लागत सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्धः खुड्डियां

अनधिकृत कृषि लागत सामग्री की बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई के तहत कृषि एवं किसान कल्याण विभाग पंजाब की शिकायत पर हरियाणा के झज्जर से संबंधित फर्म के मालेरकोटला में अनधिकृत खादों और कीटनाशकों के भंडारण एवं विक्रय के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि एक आकस्मिक जांच के दौरान 'मैसर्स यूनिटेक क्रॉप साइंस' फर्म के परिसर में अनधिकृत खादों और कीटनाशकों का स्टॉक पाया गया।

कृषि मंत्री ने आगे बताया कि खाद (नियंत्रण) आदेश, 1985, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और कीटनाशक अधिनियम, 1968 के प्रावधानों के तहत उक्त स्टॉक की किसानों को बिक्री एवं वितरण को रोकने के लिए तुरंत इस गैर-कानूनी स्टॉक को जब्त कर लिया गया है। उन्होंने आगे बताया कि उक्त फर्म के खिलाफ मालेरकोटला जिले के पुलिस थाना अमरगढ़ में बी.एन.एस. की धारा 318 (4) के तहत एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई वाली पंजाब सरकार के दृढ़ रुख को दोहराते हुए श्री खुड्डियां ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य के किसानों को मानक कृषि उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हम खादों और कीटनाशकों की बिक्री एवं वितरण संबंधी किसी भी उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेंगे और गैर-कानूनी कृषि उत्पादों के निर्माण, भंडारण या विक्रय में शामिल पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति या फर्म के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। निदेशक कृषि गुरजीत सिंह बराड़ ने कहा कि कृषि विभाग ने किसानों के हितों की रक्षा और कृषि सामग्री की सप्लाई चेन में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के मानकों को बनाए रखने के लिए पूरे राज्य में जांच एवं निरीक्षण कार्रवाइयों को तेज कर दिया है।

हरभजन सिंह ई.टी.ओ. के बारे में की गई टिप्पणी के मामले में प्रताप सिंह बाजवा का वकील हुआ पेश

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. संबंधी की गई टिप्पणी के मामले में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा की ओर से उनका वकील पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के समक्ष पेश हुआ। इस संबंध में जानकारी देते हुए पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन सरदार जसवीर सिंह गढ़ी ने बताया कि प्रताप सिंह बाजवा की ओर से लिखित उत्तर लेकर पेश हुए वकील अरविंद कुमार सचदेवा ने प्रताप सिंह बाजवा का स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया और कहा कि विपक्ष के नेता द्वारा कोई भी जातिसूचक टिप्पणी नहीं की गई है और अपने स्पष्टीकरण के साथ कुछ अन्य संबंधित दस्तावेज भी पेश किए गए और केस को दाखल दफ्तर करने की मांग की।

एडवोकेट सचदेवा ने कहा कि विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा वर्तमान में पंजाब से बाहर हैं। यदि पेश किए गए दस्तावेजों में कोई कमी है तो 15 दिन और समय देने की मांग की गई है। सरदार गढी ने बताया कि प्रताप सिंह बाजवा के वकील की विनती को स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई के लिए तारीख 26 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि प्रताप सिंह बाजवा की ओर से उनके वकील के द्वारा भेजे गए दस्तावेजों पर कानूनी राय ली जाएगी और उसके बाद ही इस मामले में कोई निर्णय लिया जाएगा।

सरकार अपने कर्मचारियों की भलाई के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध, वन विभाग के कर्मचारी सरकार का अभिन्न अंगः लाल चंद कटारूचक्क

■ **विभाग के पुनर्गठन प्रस्ताव में मुकदमेबाजी के मामलों से निपटने के लिए कानून अधिकारी और कानूनी सहायकों के पद शामिल**

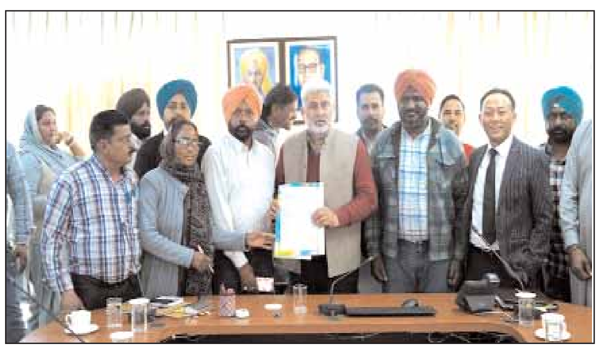

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार अपने कर्मचारियों की भलाई के लिए हर संभव कदम उठाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और वन विभाग के कर्मचारी सरकार का अभिन्न अंग हैं।

यह विचार आज वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री लाल चंद कटारूचक ने वन कॉम्प्लेक्स में फॉरेस्ट रेंजर्स एंड डिप्टी फॉरेस्ट रेंजर्स एसोसिएशन, पंजाब स्टेट फॉरेस्ट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन बठिंडा के सेवानिवृत्त कर्मचारी यूनियन तथा डेमोक्रेटिक जंगलात मुलाजम यूनियन पंजाब के साथ आयोजित बैठकों के दौरान व्यक्त किए।

मंत्री ने वन रेंजर्स को बताया कि वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत विभाग के पुनर्गठन प्रस्ताव के तहत पंजाब फॉरेस्ट सर्विस (ई.ए.सी.एफ.) के 44 पदों को मंजूरी दी गई है। उन्होंने आगे कहा कि पुनर्गठन प्रस्ताव में मुकदमेबाजी के मामलों से निपटने के लिए कानून अधिकारी के 2 पद और कानूनी सहायकों के 6 पद भी शामिल किए गए हैं। पी.एफ.एस. कैडर के पदों पर सीधी भर्ती की मांग के संबंध में मंत्री ने कहा कि वन रेंजर्स के संबंध में नियमों को अधिसूचित करने के बाद इस मामले पर सहानुभूतिपूर्ण विचार किया जाएगा।

पंजाब स्टेट फॉरेस्ट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के सेवानिवृत्त कर्मचारी यूनियन के साथ बातचीत करते हुए मंत्री ने यूनियन द्वारा उठाए गए पेंशन संबंधी मुद्दे के संदर्भ में कहा कि एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है जो इस मुद्दे पर विचार करके रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। इसके अलावा मंत्री ने डेमोक्रेटिक जंगलात मुलाजम यूनियन पंजाब के साथ भी मुलाकात की और समय-समय पर विभाग में कार्यरत कच्चे तथा अनपढ़ कर्मचारियों (519 याचिकाकर्ता/गैर-याचिकाकर्ता) की सेवाओं को नियमित करने सहित उनकी विभिन्न मांगों को ध्यान से सुना।

इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा अतिरिक्त प्रमुख मुख्य वनपाल (ए.पी.सी.सी.एफ.) सौरभ गुप्ता और मुख्य वन्यजीव वार्डन बसंत राज कुमार भी उपस्थित थे।

एस.सी.एस.टी. एक्ट के बारे में प्रशिक्षण प्रक्रिया तेज करने के निर्देश

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग की 28वीं फुल आयोग बैठक की अध्यक्षता करते हुए आयोग के चेयरमैन सरदार जसवीर सिंह गढ़ी ने पंजाब पुलिस को निर्देश दिया कि एस.सी.एस.टी. एक्ट के बारे में प्रशिक्षण प्रक्रिया को और तेज किया जाए ताकि आयोग के पास पुलिस संबंधी आने वाली शिकायतों में कमी आए। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक न्याय विभाग को रोस्टर रजिस्टर संबंधी समितियों को आरक्षण नुक्तों और रोस्टर रजिस्टरों के बारे में प्रशिक्षण करवाने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान उन्होंने आम राज प्रबंध विभाग को निर्देश दिया कि पंजाब राज्य के प्रत्येक जिले में एस.सी.एस.टी. एक्ट के तहत दर्ज मामलों के निपटारे के लिए पंजाब पुलिस की तर्ज पर ए.डी.सी. स्तर के अधिकारी को नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए ताकि शिकायतों के निपटारे में और तेजी लाई जा सके।

उन्होंने बताया कि आज की बैठक में पुलिस, स्थानीय निकाय, सामाजिक न्याय तथा अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से एस.सी./एस.टी. अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 के तहत दर्ज केसों की स्थिति संबंधी रिपोर्ट ली गई।

इसके अलावा आयोग की 27वीं बैठक में पुलिस विभाग को दिए गए निर्देशों के अनुसार विशेष हेल्पलाइन नंबर स्थापित करने, भूरिवाले गुरगद्दी (गरीब दासी परंपरा) संप्रदाय के धाम श्री राम मोक्ष धाम, खुरदा टप्परियां (नवांशहर) और गद्दी नशीन आचार्य श्री चेतना नंद जी महाराज की सुरक्षा के लिए गार्ड नियुक्त करने तथा आयोग के सदस्य को सुरक्षा उपलब्ध करवाने संबंधी आयोग के निर्देशों पर की गई कार्रवाई की रिपोर्ट भी ली गई। इसके अतिरिक्त तपस्थान श्री खुरालगढ़ साहिब और चरण छोह गंगा श्री खुरालगढ़ साहिब के महापुरुषों की सुरक्षा के बारे में भी समीक्षा की गई।

सरदार गढ़ी ने बताया कि इसके अलावा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों से बरनाला, फाजिल्का, मलेरकोटला, पठानकोट, साहिबजादा अजीत सिंह नगर में अंबेडकर भवन के निर्माण संबंधी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने बताया कि तरनतारन में अंबेडकर भवन मार्च 2026 तक पूर्ण हो जाएगा। स्थानीय निकाय के निदेशक से नगर परिषदों में ड्यूटी के दौरान मरने वाले सफाई कर्मचारियों के परिवारों को तरस के आधार पर नौकरी देने संबंधी लंबित मामलों को शीघ्र निपटारे के बारे में भी जानकारी ली गई, जिसे सराहनीय पाया गया।

उन्होंने विभाग को निर्देश दिया कि वर्तमान में लंबित 59 जाली अनुसूचित जाति प्रमाणपत्रों की जांच संबंधी कार्रवाई को भी समयबद्ध तरीके से पूर्ण कर लिया जाए। आज की बैठक में आयोग के सदस्य सचिव डॉ. नयन जसल, सदस्य रुपिंदर सिंह सीतल, गुरप्रीत सिंह इड्डंवाली, गुलजार सिंह बोबी, पंजाब पुलिस के एडिशनल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस कोस्तुभ शर्मा, डायरेक्टर स्थानीय निकाय कुलवंत सिंह, डायरेक्टर सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक श्रीमती विम्मी भुल्लर के अलावा, एआईजी सुरिंदरजीत कौर, श्री गौतम सिंघल जी एआईजी ट्रेनिंग पुलिस विभाग सहित कई विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जाखड़ रोजाना प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के बजाय अमेरिका के साथ हुए समझौते सार्वजनिक करें: बलतेज पन्नू

■ **पन्नू का जाखड़ से सवाल- ट्रंप के ट्वीट के बिना समझौते की कोई डिटेल्स नहीं, फिर आप किस आधार पर किसानों को भरोसा दिला रहे हो**

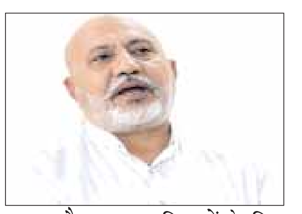

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने पंजाब भाजपा प्रधान सुनील जाखड़ को सीधे चुनौती देते हुए कहा कि अगर अमेरिका के साथ हुआ समझौता सच में किसानों के हित में है, तो रोज़ाना प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के बजाय, आप भाजपा हाईकमान से उस समझौता की पूरी डिटेल्स और कॉपीज़ सार्वजनिक करने के लिए क्यों नहीं कहते?

पन्नू ने कहा कि जाखड़ साहब लगभग रोज़ाना प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अमेरिका के साथ हुए समझौते को भारत और खासकर किसानों के लिए फायदेमंद बता रहे हैं, लेकिन अभी तक उस समझौता की कोई आधिकारित कॉपी या डिटेल्स सार्वजनिक नहीं की गई। पन्नू ने सवाल उठाया कि अगर जाखड़ के पास इस समझौता की पूरी जानकारी और कॉपी मौजूद हैं, तो वह भाजपा हाईकमान से इस समझौते को सार्वजनिक करने के लिए क्यों नहीं कहते? उन्होंने यह भी पूछा कि क्या इस समझौते पर प्रधानमंत्री, गृह मंत्री या किसी और मंत्री ने साइन किए थे? लोगों को इसके बारे में जानने का पूरा हक है। आप नेता ने कहा कि इस समझौते के बारे में अब तक जो भी जानकारी सामने आ रही है, वह सिर्फ अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्वीट के जरिए मिल रही है और ट्रंप के ट्वीट खुद कहते हैं कि इस समझौते में किसानी शामिल है। ऐसे में जब भारत सरकार की तरफ से कोई आघिकारित डिटेल सार्वजनिक नहीं की गई है, तो जाखड़ साहब किस जानकारी के आधार पर किसानों को भरोसा दे रहे हैं? पन्नू ने जाखड़ को तीन खेती कानूनों का जिक्र करते हुए याद दिलाया कि जब केंद्र सरकार तीन कृषि कानून लाई थी, तो उस समय भाजपा के सहयोगी रहे बादल परिवार ने कहा था कि इन कृषि कानूनों जैसा कोई कानून नहीं है। लेकिन जब उन्हें लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा, तो उन्होंने यू-टर्न ले लिया।

आप नेता ने जाखड़ पर तंज कसते हुए कहा कि अब आप भी यू-टर्न मत ले लेना। अगर आपके पास इस समझौता के बारे में पूरी जानकारी है तो उसे सार्वजनिक करो।

दशमेश खालसा कॉलेज, जीरकपुर में चार्ट प्रतियोगिता का सफल आयोजन

पंचकूला ऑब्जर्वर

जीरकपुर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, श्री अमृतसर साहिब के प्रबंधन अधीन चल रहे दशमेश खालसा कॉलेज, जीरकपुर में विज्ञान विभाग द्वारा चार्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता इंजी. सरदार सुखमिंदर सिंह (सचिव शिक्षा, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, श्री अमृतसर साहिब) के संरक्षण में, कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. कर्मबीर सिंह के नेतृत्व तथा डॉ. वंदना (मुखी, विज्ञान विभाग) की देखरेख में आयोजित हुई। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सिमर और प्रो. हरप्रींदर का विशेष सहयोग रहा। प्रतियोगिता में लगभग 30 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विज्ञान से जुड़े विभिन्न विषयों पर आकर्षक एवं ज्ञानवर्धक चार्ट प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रस्तुति कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल द्वारा चार्टों का मूल्यांकन उनकी विषयवस्तु, प्रस्तुति शैली और रचनात्मकता के आधार पर किया गया।

इस अवसर पर प्रिंसिपल डॉ. कर्मबीर सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रकार की सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ विद्यार्थियों में विषय के प्रति रुचि जागृत करती हैं और उनके व्यक्तित्व के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसी शैक्षणिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

पंजाब पुलिस ने पाक समर्थित आतंकी मॉड्यूल का किया भंडाफोड़

आईईडी और विदेशी पिस्तौल समेत आरोपी काबू

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़/ अमृतसर। मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए जारी मुहिम दौरान खुफिया जानकारी पर आधारित एक कार्यवाही में स्टेट स्पेशल आपरेशन सैल (एस. एस. ओ. सी.) अमृतसर ने पाकिस्तान की हिमायत वाले एक ओर आतंकवादी माड्यूल का पर्दाफाश करते एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर दिया है और इस कार्यवाही में गिरफ्तार किए गए दोषी से रिमोट कंट्रोल समेत मटैलिक केस में पैक एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) और गोली- सिक्के समेत एक विदेशी पिस्तौल बरामद किया गया है। यह जानकारी आज यहां डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान शुभम कुमार उर्फ शुभम श्रीवास्तव के तौर पर हुई है, जो सीतापुर, उत्तर प्रदेश के गांव सरोसा का रहने वाला है।

बताने योग्य है कि यह सफलता पंजाब पुलिस की तरफ से पाकिस्तान आई.एस.आई. की हिमायत वाले आतंकवादी माड्यूल का पर्दाफाश करने उपरांत इसके साथ सम्बन्धित कारकुन, जिसकी पहचान अमृतसर के राहुल कुमार उर्फ गज्जू के तौर पर हुई है, को आरडीएक्स-आधारित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) समेत गिरफ्तार किए जाने से एक दिन बाद सामने आई है।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्राथमिक जांच अनुसार गिर?तार किया गया मुलजिम ऐनक्रिपटड प्लेटफार्मों के द्वारा पाकिस्तान- आधारित हैंडलर के संपर्क में था। उन्होंने कहा कि आरोपी से बरामद हुई खेप सरहद पार से भेजी गई थी, जिसको उसने शहर के बाहरवार एक निर्धारित स्थान से प्राप्त किया था।

डीजीपी ने कहा कि यह आई.ई.डी. पंजाब और दिल्ली समेत कई राज्यों में योजनाबद्ध हमलों में इस्तेमाल किया जाना था। उन्होंने आगे कहा कि समूचे आतंकवादी नैटवर्क का ?त्मा करने के लिए आगे वाली जांच जारी है।

एआईजी एसएसओसी अमृतसर सुखमिन्दर सिंह मान ने कहा कि पुलिस टीमें को एक ठोस जानकारी मिली थी कि पाकिस्तानी संचालकों द्वारा पंजाब, दिल्ली और देश के अलग- अलग हिस्सों में धमाके और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के इरादे के साथ आईईडी और हथियारों की एक खेप पाकिस्तान से ड्रोन के द्वारा भेजी गई है, जिसको उनके भारत में कारकुनों ने हासिल किया है। प्राप्त जानकारी पर ते?ी के साथ कार्यवाही करते विशेष पुलिस टीमों का गठन करके एक स्पैशल आप्रेशन चलाया गया, जिस दौरान शक्की शुभम कुमार उर्फ शुभम श्रीवास्तव को गिरफ्तार करके अमृतसर जालंधर जीटी रोड पर स्थित दरगाहा नजदीक खाली पड़ी जगह से आईईडी और पिस्तौल किया गया।

23.62 लाख से अधिक बुजुर्ग नागरिक सम्मान व सुरक्षा के साथ 1,500 की मासिक पेंशन प्राप्त कर रहे हैं: डॉ. बलजीत

चंडीगढ़। पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आज कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के गतिशील नेतृत्व में पंजाब सरकार बुजुर्ग नागरिकों को न केवल समाज का अभिन्न अंग मानती है, बल्कि अपनी जीवंत विरासत और गौरव भी मानती है। उन्होंने कहा कि सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान जनवरी 2026 तक वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत 3,806 करो? रुपये से अधिक जारी करके 'साड्डे बुजुर्ग, साड्डा मान' के नारे को व्यावहारिक रूप दिया है। मंत्री ने कहा, पूरे राज्य में 23.62 लाख से अधिक पात्र बुजुर्ग लाभार्थियों को वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत नियमित रूप से वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। प्रत्येक पात्र बुजुर्ग नागरिक को 1,500 रुपये की मासिक पेंशन दी जा रही है, ताकि वे अपनी दैनिक जीवन को सम्मान, सुरक्षा और स्वतंत्रता के साथ जी सकें। पेंशन वितरण को निर्बाध रूप से सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए, मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा, सभी लाभार्थियों के लिए समय पर और पारदर्शी तरीके से पेंशन वितरण सुनिश्चित करने हेतु, पंजाब सरकार ने 4,100 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया है, जिससे यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी बुजुर्ग नागरिक को अपनी उचित सहायता प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

कैबिनेट मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी को पेंशन का समय पर और निर्बाध भुगतान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। पेंशन वितरण में किसी भी प्रकार की देरी, लापरवाही या चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ नियमों के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरकार के व्यापक दृष्टिकोण को उजागर करते हुए मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि बुजुर्ग नागरिक पंजाब के सामाजिक विरासत, बुद्धिमत्ता और मूल्यों के संरक्षक हैं। 'रंगला पंजाब' के सपने को साकार करने के लिए उनकी सुरक्षा, सम्मान और खुशहाली अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है कि हर बुजुर्ग नागरिक अपनी जिंदगी बिना किसी चिंता के, सम्मान और मजबूत सरकारी सहायता के साथ व्यतीत कर सके, ताकि पंजाब खुशहाल, सुरक्षित और जीवंत बना रहे।

पंजाब सरकार राज्य में ग्राम न्यायालय के मुद्दे पर सभी कानूनी विकल्पों की पड़ताल करेगी: मान

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। ग्राम न्यायालय के लिए केंद्र की ओर से किए जा रहे दबाव के खिलाफ स्पष्ट लकीर खींचते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इसे गैर-व्यवहारिक और कानूनी समुदाय के हितों के विपरीत बताया तथा कहा कि सरकार राज्य में इस मुद्दे पर निर्णायक कदम उठाने के लिए तैयार है। मुख्यमंत्री ने इस मामले की गहन जांच के लिए कानूनी विशेषज्ञों की कमेटी गठित करने का ऐलान करते हुए कहा कि वे इसे केंद्र सरकार के समक्ष उचित स्तर पर उठाएंगे।

इस मुद्दे को संस्थागत अखंडता और लोगों के विश्वास से संबंधित बताते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि न्यायपालिका में कानून का राज और नैतिक मानदंड सर्वोच्च रहने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार वकीलों के हितों की रक्षा के लिए कोई कसर ताकत नहीं छोड़ेगी।

म्यूनिसिपल भवन में 65 बार एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पूरे राज्य के लोगों की 20 किलोमीटर के दायरे में अदालतों तक पहुंच है, जिस कारण यह संकल्प पंजाब में व्यावहारिक रूप से लागू नहीं हो सकता। वकील पहले ही केंद्र के इस कदम के खिलाफ डटे हुए हैं क्योंकि इससे राज्य सरकारों को कानूनी तौर पर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पंजाब में इस संकल्प को बंद करने के सभी तरीके खोजे जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने ऐलान किया, पंजाब सरकार इस संबंध में सभी पहलुओं की पड़ताल करने के लिए कानूनी विशेषज्ञों की एक कमेटी का गठन करेगी। मैं इस मुद्दे को केंद्र सरकार के समक्ष उचित मंचों पर भी उठाऊंगा। अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार वकील समुदाय के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और इस नेक कार्य के लिए कोई कसर ताकत नहीं छोड़ी जाएगी। बार एसोसिएशनों के योगदान को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ÷बार एसोसिएशनों ने देश में कानूनी प्रणाली के विकास में प्रभावशाली ढंग से योगदान देने के लिए हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और समाज की बेहतरी के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। भारत एक संप्रभु समाजवादी गणराज्य है, जिसमें संसदीय प्रणाली है और इसे यह गौरव प्राप्त है कि वह विश्व में सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रणाली है। न्याय, आजादी, समानता और भाईचारा चार विशेषताएं हमारे संविधान द्वारा हर नागरिक के लिए सुरक्षित हैं। कानूनी प्रणाली की महत्ता पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि, कानून का राज वह नींव है, जिस पर आधुनिक लोकतांत्रिक समाज की स्थापना की जाती है। न्यायपालिका में मूल्यों, अखंडता और उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध कानूनी प्रणाली एक जीवंत और न्यायपूर्ण समाज का महत्वपूर्ण अंग है। मैं मौलिक अधिकारों को समझता हूं और वकीलों को अपने करियर में सफल होने के लिए आने वाली मुश्किलों से भी जानकार हूं।

सार्वजनिक जीवन और कानूनी पेशे की तुलना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, राजनीतिक नेताओं और वकीलों को एक जैसे जनता का विश्वास प्राप्त होता है और दोनों को इस विश्वास को हर तरीके से बनाए रखने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि, ÷इंसाफ आज-कल दूसरी चीजों की तरह महंगा है। इसलिए उन्होंने यह विचार पेश किया कि वकीलों को समाज के हाशिए पर धकेल दिए गए वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए एनजीओज की स्थापना करनी चाहिए।

एक नजर

उद्योग और श्रमिक एक दूसरे के हितों के पूरक : घनश्याम दास

पंचकूला. भाजपा द्वारा बजट पर श्रमिक संवाद का कार्यक्रम बरवाला खंड के अलीपुर औद्योगिक क्षेत्र में किया गया। श्रमिकों को सम्बोधित करते हुए यमुनानगर से विधायक एवं पंचकूला विधानसभा प्रभारी घनश्याम दास अरोड़ा ने कहा, उद्द्योग और श्रमिक एक दूसरे के हितो के पूरक है। श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने और उन्हें सामजिक सुरक्षा देने हेतु बजट में विशेष प्रावधान किये गए है। उन्होंने कहा, श्रमिक उद्योग धंधो और अर्थव्यवस्था की रीड़ होते है। अवसर पर जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने कहा, यह बजट श्रम शक्ति का बजट है, जिसमे असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा के तमाम प्रावधान किये गए है। उन्होंने कहा, ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण से श्रमिकों को पहचान मिलेगी साथ ही उन्हें तमाम योजनाओं का सीधा लाभ भी मिल सकेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता सीबी गोयल ने मुख्य अतिथि घनश्याम दास अरोड़ा और जिला अध्यक्ष अजय मित्तल का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। सीबी गोयल ने कहा, श्रमिकों को जागरूक करने एवं सरकार द्वारा उनके उत्थान के लिए किये जा रहे प्रयासों को संवाद कार्यक्रम के माध्यम से श्रमिकों तक पहुंचाना एक अच्छी पहल है। इस अवसर पर जिला मंत्री अमरिंदर सिंह, राजेंद्र नोनिवाल, मंडल महामंत्री देवेंदर शर्मा, सोशल मीडिया प्रमुख मनु सिंगला, उद्द्योगपति अनिल शर्मा, सहित तमाम व्यवसायी एवं श्रमिक भारी संख्या में उपस्थित रहे।

हरियाणा में बनेगी देश की पहली झूला सेफ्टी पॉलिसी : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार झूला सेफ्टी पॉलिसी बनाएगी। यह देश में अपनी तरह की पहली नीति होगी, जिसका उद्देश्य झूलों और मनोरंजन साधनों को पूरी तरह सुरक्षित बनाना है। इस पॉलिसी से लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री मंगलवार को हरियाणा निवास पर पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। इस दौरान सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में सूरजकुंड जैसी झूला टूटने की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए सरकार ठोस और प्रभावी कदम उठाएगी। उन्होंने सूरजकुंड में हुए हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस हादसे को सरकार बेहद गंभीरता से ले रही है। इस मामले में झूला कमेटी से जुड़े दो लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हादसे में घायल हुए सभी लोगों का इलाज चल रहा है, उनके इलाज का पूरा खर्च हरियाणा सरकार वहन करेगी। इसके साथ ही गंभीर रूप से घायल हुए प्रत्येक व्यक्ति को 1 रुपये लाख की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। हादसे में शहीद होने वाले इंस्पेक्टर जगदीश के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि शहीद पुलिसकर्मी के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी और आर्थिक मदद भी की जाएगी।

रक्तदान शिविर आयोजित किया गया

यमुनानगर मानव जीवन की रक्षा को सर्वोच्च सामाजिक दायित्व मानते हुए यमुनानगर में आयोजित रक्तदान शिविर ने सामूहिक सहभागिता और सेवा भावना की सशक्त तस्वीर प्रस्तुत की। रिद्धि चैरिटेबल ट्रस्ट, स्वर्गीय प्यारा सिंह कुंदन सिंह मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट और नीलकंठ महादेव सेवा मंडल सोसायटी के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में नागरिकों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस आयोजन का मूल उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना और समाज में रक्तदान को लेकर जागरूकता को सुदृढ़ करना रहा। शिविर में चिकित्सा मानकों के अनुरूप सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। अनुभवी चिकित्सकों और प्रशिक्षित कर्मियों की निगरानी में रक्त संग्रह की प्रक्रिया पूरी की गई, जिससे रक्तदाताओं को सुरक्षित वातावरण प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में संत बाबा जसदीप सिंह और पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल की उपस्थिति ने आयोजन को सामाजिक प्रेरणा प्रदान की। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि समाज के प्रति संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व का प्रतीक है। ऐसे आयोजन मानवीय मूल्यों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर में सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने सहभागिता की।

12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल होगी ऐतिहासिक, हेमसा ने भी किया हड़ताल का ऐलान

भिवानी. सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबद्ध हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रियल स्टाफ एसोसिएशन (हेमसा) से सुरेंद्र दिनोद ने बताया कि हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रियल स्टाफ एसोसिएशन ने मांग में की है की आठवीं वेतन आयोग का गठन हो और हरियाणा प्रदेश का अलग से वेतन आयोग हो। उन्होंने बताया कि हेमसा ने वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर पूर्व की कांग्रेस सरकार में लगातार बड़े आंदोलन किए, तब भाजपा के नेता हमारे धरने न प्रदर्शनों पर और भाजपा विधायक विधानसभा में हमारे वेतन बढ़ाने की मांग को उठाने का काम करते। उन्होंने कहा कि हमारी वेतन बढ़ोतरी की मांग बनती है 7वें वेतन आयोग में कम से कम 16900 और सबसे अधिक 188200 रूपये वेतन निश्चित किया गया है, इसका अनुपात 1ः14 बनता है, इसे कम करके 1ः7 किया जाए। इसके अनुसार ग्रुप डी 26000 रूपये नूनतम वेतन का पात्र बनता है। उन्होंने कहा कि भाजपा के घोषणा पत्र व 25 अगस्त 2014 के मंत्रीमंडल के फैसले अनुसार 7वें वेतन आयोग में लिपिक, स्टैनाटाईपिस्ट 35400, सहायक, आंकड़ा सहायक, स्टेनोग्राफर 44900, उपाधीक्षक 47600, अधीक्षक 56100 वेतन लागू किया जाए। आठवां वेतन आयोग लागू किया जाए। सुरेंद्र दिनोद ने कहा कि भाजपा तीसरी बार सत्ता में आने के बाद भी अपने वादे को पूरा नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार वादा खिलाफी करने के साथ-साथ दिन-प्रतिदिन तुगलकी फरमान जारी कर समस्याओं को और बढ़ा रही है। अभी रेशनेलाइजेशन कमिशन के नाम पर सभी विभागों में मिनिस्ट्रीयल स्टाफ के पदो को कम किए जाने की साजिश चल रही है। हरियाणा एजुकेशन मिनिस्ट्रीयल स्टाफ एसोसिएशन इसे किसी भी सूरत में सहन नहीं करेगा। आने वाली 12 फरवरी की ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर होने वाली राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हेमसा भागीदारी करेगा।

इंस्पेक्टिंग जज संदीप मुद्गिल ने किया भिवानी न्यायिक परिसर का निरीक्षण

भिवानी. पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश एवं भिवानी के इंस्पेक्टिंग जज संदीप मुद्गिल ने शनिवार को भिवानी न्यायिक परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने न्यायिक एवं जिलाधिकारियों तथा बार में अधिवक्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने विशेषकर पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि न्यायिक परिसर-लघु सचिवालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और अधिक कड़ी की जाए। भविष्य में यहां पर गोलीबारी की घटना नहीं होनी चाहिए। न्यायिक परिसर के कॉन्फ्रेंस हॉल में अधिकारियों को निर्देश देते हुए माननीय न्यायाधीश संदीप मुद्गिल ने कहा कि भिवानी को छोटी काशी और खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक पाने के लिए जाना जाता है।

राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेज़बानी अथवा सह मेज़बानी के लिए हरियाणा सरकार तुरंत प्रस्ताव करे

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

चंडीगढ़। लोकसभा में सांसद सांसद वरुण चौधरी के सवाल के जवाब से खुलासा हुआ कि हरियाणा की बीजेपी सरकार ने वर्ष 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के मेजबान या सह मेजबान के रूप में हरियाणा को शामिल करने का कोई प्रस्ताव तक नहीं भेजा। सांसद वरुण चौधरी ने कहा कि हरियाणा की बीजेपी सरकार प्रदेश के हितों की बात रखने में बार-बार विफल साबित हो रही है। पानी, पूरी राजधानी, अलग उच न्यायालय, विधानसभा भवन के लिये स्थान, ग्रुप ए और बी में हरियाणा के युवाओं को रोजगार, कुछ भी नहीं मिल रहा है और अब पूरे विश्व में भारत माता का नाम रौशन करने वाले हरियाणा के खिलाड़ियों को ध्यान में रखते हुए 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी या सह मेजबानी, जो हरियाणा प्रदेश में होनी चाहिये थी वह भी, हरियाणा में नहीं हो रही। हरियाणा सरकार ने भारत सरकार को इसके लिये प्रस्ताव तक भेजना उचित नहीं समझा और भारत सरकार ने भी हरियाणा को नजरअंदाज़ किया है। सांसद जय प्रकाश 'जेपी', सांसद दीपेन्द्र हुड्डा, सांसद वरुण चौधरी एवं सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 के मेजबान या सह-मेजबान के रूप में हरियाणा को शामिल करने की मांग दोहराई और कहा कि राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेज़बानी अथवा सह मेज़बानी के लिए हरियाणा सरकार तुरंत प्रस्ताव करे और भारत सरकार इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार करे। हरियाणा को उसका हक मिलना ही चाहिए। इससे पहले भी चारों सांसदों ने संसद परिसर में 'ओलंपिक व कॉमनवेल्थ खेल हरियाणा में हो' के नारे लिखी तख्तियाँ लेकर संसद परिसर में नारा लगाकर प्रदर्शन किया था। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि जिस हरियाणा प्रदेश के खिलाड़ी देश को 50त्न से अधिक मेडल दिलाते हों, क्या वह कॉमनवेल्थ खेल 2030 की मेजबानी का हकदार नहीं? इससे भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा सरकार ने इसकी मेजबानी या सह-मेजबानी के लिए कोई प्रस्ताव भी नहीं भेजा। उन्होंने कहा कि पूरे देश ने देखा कि आज हरियाणा में खेल ढाँचे की इतनी दुर्दशा है कि खेल के मैदान में प्रैक्टिस करते हुए हमारे खिलाड़ियों की जान तक जा रही है। कॉमनवेल्थ खेल 2030 व ओलंपिक 2036 में हरियाणा को कम से कम को-होस्ट राय बनाने से लाखों करोड़ के बजट में से हरियाणा के खेल इंफ्रास्ट्रक्चर पर भी कुछ खर्च हो पाएगा। सांसद जय प्रकाश जेपी ने कहा कि देश की कुल आबादी के 2त्न आबादी वाले हरियाणा की ओलंपिक खिलाड़ियों के दल में 21त्न हिस्सेदारी है और देश को मिलने वाले मेडल में लगभग 50त्न भागीदारी है। फिर भी सरकार हरियाणा के लिए खेलो इंडिया में न के बराबर बजट दे रही है। यह देश की खेल भावना के साथ क्रूर मजाक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती हुड्डा सरकार के समय खेल व खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिये ग्रामीण अंचलों में खेल स्टेडियम बनाये थे, खिलाड़ियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए कांग्रेस सरकार द्वारा बनाई गई 'पदक लाओ, पद पाओ' नीति और स्कूल स्तर पर कक्षा पहली से खेल-खिलाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए स्क्क्ष्ब्र नीति को भी बीजेपी सरकार ने खत्म कर दिया। स्क्क्ष्ब्र नीति के तहत स्ष्ट समाज की बेटियों को जिले/राय स्तर तक पहुंचने पर 40 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाती थी, इसे भी भाजपा सरकार ने समाप्त कर दिया। बीजेपी सरकार हरियाणा में कांग्रेस सरकार के समय बने 481 खेल स्टेडियमों के रखरखाव के लिए पर्याप्त बजट तक नहीं दे पाई। 11 साल में नया स्टेडियम बनाना तो दूर, मौजूदा स्टेडियमों का रिपेयर तक नहीं कराया, खेल नर्सरियों की दुर्दशा कर डाली। जिसके चलते हाल ही में 2 होनहार खिलाड़ियों को जान तक गँवानी पड़ी। सांसद सतपाल ब्रह्मचारी ने कहा कि हरियाणा को खेलो इंडिया बजट में सबसे कम बजट दिया गया। देश के ?3500 करोड़ के खेलो इंडिया बजट में 600 करोड़ गुजरात को और सबसे यादा मेडल लाने वाले हरियाणा को सिर्फ ?80 करोड़ ही दिए गए, जो देश में सबसे कम है। जबकि, ओलंपिक, एशियाई, कॉमनवेल्थ खेल हों, सबसे यादा मेडल हरियाणा के खिलाड़ी लाते हैं फिर भी उन्हें नज़रअंदाज़ कर दिया गया। जब भारत को कॉमनवेल्थ खेल 2030 की मेज़बानी का मौका मिला। तो इसके लिए गुजरात को चुना गया क्योंकि हरियाणा की बीजेपी सरकार प्रदेश के हक की आवाज तक नहीं उठा सकी। इसी प्रकार सरकार ने ओलंपिक 2036 को भी गुजरात में कराने के लिए आधिकारिक बोली (बिडिंग) पेश करने की घोषणा की है। वहाँ भी हरियाणा की आवाज नहीं रखी गई।

हरियाणा में उत्कृष्ट पंचायतों को प्रोत्साहन स्वरूप मिलने वाली अनुदान राशि दोगुनी होगीः सीएम सैनी

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अनुसूचित जाति के कल्याणार्थ कार्य करने वाली उत्कृष्ट पंचायतों को प्रोत्साहन स्वरूप में दी जाने वाली अनुदान राशि 50 हजार रुपए से बढाकर एक लाख रुपए करने की घोषणा की। इसके अलावा हर थाने में इन्वेस्टिगेशन विंग की स्थापना करने की भी घोषणा की ताकि जांच कार्य प्रभावित न हो सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी चंडीगढ़ में अनुसूचित जाति अत्याचार अधिनियम 1989 और नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955 के प्रावधानों के कार्यान्वयन की समीक्षा हेतू राज्य स्तरीय सतर्कता एवं निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में विकास एंव पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्कृष्ट पंचायतों में एससी के विरूद्ध अत्याचार न हो, एससी कम्पोंनेंट का पूरा पैसा खर्च किया जा रहा हो, गांव में नशे के विरूद्ध अभियान चलाया जाए, पराली न जलाई जाए, पेयजल समस्या का समाधान आदि शामिल किए गए हैं। इसके लिए राज्य, जिला एवं उपमण्डल स्तर पर पंचायत प्रोत्साहन का भी प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एससी, एसटी मामलों में 60 दिनों की अवधि में न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत की जाए ताकि ऐसे मामलों का जल्द निपटारा हो सके। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा लागू तीन नए अपराधिक अधिनियमों के तहत भी 60 दिन में जार्चशीट प्रस्तुत किए जाने का प्रावधान किया गया है। इन मामलों में भी अलग से जांच अधिकारियों की नियुक्ति की जाए। नायब सिंह सैनी ने कहा कि राज्य में वर्ष 2021 से अनुसूचित जाति के अलावा महिलाओं के विरूद्ध अपराध में भी कमी दर्ज की गई है। इसके अलावा लूटपाट, सम्पति के विरूद्ध तथा धमकी देने के मामलों में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि एससी जाति के विरूद्ध अत्याचार या उत्पीड़न किसी भी स्तर पर सहन नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में तुरंत कार्यवाही की जानी चाहिए। इसके अलावा यदि कोई झूठी शिकायत दर्ज करवाता है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। आपसी समझौते वाले मामलों में यह भी जांच की जाए कि यह किसी दबाव या प्रलोभन में तो नहीं किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला एवं उपमण्डल स्तर पर आयोजित की जाने वाली बैठकों में प्रबुद्ध नागरिकों को भी शामिल किया जाए। इसके अलावा हर जिले में उपायुक्त एक साल के अन्दर जिला सतर्कता निगरानी की चार बैठकें आयोजित कर एससी एक्ट की अवश्य समीक्षा करें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025-26 के दौरान 796 अत्याचार से पीड़ितों को राहत एवं पुनर्वास के लिए 8.84 करोड़ रुपए की राशि आर्थिक सहायता मुहैया करवाई गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक समरसता अंतर्जातीय विवाह शगुन योजना के तहत चालु वित वर्ष के दौरान 1265 लाभार्थियों को 31.62 करो? रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है जिसमें 807 महिलाएं एवं 458 पुरूष शामिल है। यह सामाजिक समरसता के प्रति बड़ा सराहनीय कदम है। इसके अलावा अत्याचार निवारण पर स्कूल एवं महाविद्यालयों में भाषण, लेखन प्रतियोगिताओं के साथ डिबेट एवं सेमिनार आयोजित किए जा रहे है।

बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल, जी अनुपमा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण गुप्ता, अतिरिक्त प्रधान सचिव डा. साकेत कुमार, डीजीपी अजय सिंघल सहित कई सरकारी व गैर सदस्य मौजूद रहे।

देवदूत बनकर आए युवा, आपात स्थिति में रक्तदान कर बचाई दो जिंदगियां

भिवानी. शहर में मानवता और इंसानियत की एक मिसाल उस समय देखने को मिली जब एक गर्भवती महिला और एक मासूम बच्चे को जीवन और मौत के बीच जूझते देख क्षेत्र के जागरूक युवा मदद के लिए आगे आए। अस्पताल में रक्त की सख्त जरूरत होने पर इन युवाओं ने न केवल समय पर रक्तदान किया, बल्कि समाज को यह संदेश भी दिया कि रक्तदान ही सबसे बड़ा दान है। जानकारी के अनुसार भिवानी के एक स्थानीय अस्पताल में उपचाराधीन एक गर्भवती महिला और एक छोटे बच्चे की हालत नाजुक बनी हुई थी। डॉक्टरों ने तत्काल एबी पॉजिटिव और बी पॉजिटिव फ्रेश ब्लड की मांग की थी। जैसे ही यह सूचना सामाजिक कार्यकर्ताओं और रक्तदाताओं तक पहुंची, युवाओं की टोली तुरंत अस्पताल पहुंच गई। रक्तदान करने वाले नायकों में डा. नरेंद्र सिंह, सुनील कुमार, ॠषिपाल, सतीश कुमार, मंदीप सिंह व बंटी रहे। इन युवाओं ने बिना समय गंवाए रक्तदान किया, जिससे समय रहते दोनों मरीजों को नया जीवन मिल सका। इन युवाओं के जज्बे को सलाम करते हुए शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने सभी रक्तदाताओं को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि आपातकालीन स्थिति में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना किसी पुण्य से कम नहीं है। डुडेजा ने कहा कि आज इन युवाओं ने जो तत्परता दिखाई है, वह काबिले तारीफ है। जब किसी परिवार पर मुसीबत आती है और उन्हें रक्त के लिए भटकना पड़ता है, तब ऐसे जागरूक युवा ही समाज के लिए उम्मीद की किरण बनते हैं। एक तरफ गर्भवती माता और दूसरी तरफ एक मासूम बच्चा—दोनों को रक्त की आवश्यकता थी। इन युवाओं ने साबित कर दिया कि भिवानी की धरा पर परोपकार की भावना आज भी जीवित है। उन्होंने कहा कि वे हर स्वस्थ युवा से अपील करते है कि आप नियमित अंतराल पर रक्तदान करें, क्योंकि आपका थोड़ा सा प्रयास किसी का उजड़ता हुआ संसार बसा सकता है। राजेश डुडेजा ने आगे कहा कि रक्तदान को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने की जरूरत है। रक्तदान करने से शरीर में कोई कमजोरी नहीं आती, बल्कि नया रक्त बनता है जो सेहत के लिए भी अच्छा है।

निर्माणाधीन इमारत की पांचवी मंजिल से जमीन पर गिरा श्रमिक, मौत

गुड़गांव. सेक्टर 28 में निर्माणाधीन बिल्डिंग की पांचवीं मंजिल पर सीमेंट की बोरी लेकर चलने के दौरान एक श्रमिक अनियंत्रित होकर नीचे जा गिरा। उपचार के दौरान सोमवार रात श्रमिक की मौत हो गई। सेक्टर 29 थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान मूल रूप से बंगाल के मुर्शिदाबाद के रहने वाले 35 वर्षीय सद्दाम के रूप में की गई। बताया जाता है कि सद्दाम अपने परिवार के कुछ लोगों के साथ गांव वजीराबाद में रहते थे और श्रमिक का काम करते थे। अन्य श्रमिकों ने बताया कि इस समय सद्दाम व कुछ अन्य लोग सेक्टर 28 स्थित निर्माणाधीन बिल्डिंग में काम कर रहे थे।

सोमवार शाम काम के दौरान जब सद्दाम सीमेंट की बोरी लेकर पांचवीं मंजिल पर जा रहे थे, इसी दौरान अनियंत्रित होकर वह पांच मंजिल से नीचे जा गिरे। हादसे में उन्हें काफी चोटे आईं। अन्य श्रमिक उन्हें निजी अस्पताल ले गए। यहां इलाज के दौरान मौत हो गई। सेक्टर 29 थाना पुलिस ने बताया कि परिवार के लोग बंगाल से आ रहे हैं। उनके आने के बाद ही शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

हरियाणा में नकली दूध-घी बेचने वालों पर बड़ी कार्रवाई, 7 जिलों में छापेमारी

चंडीगढ़. हरियाणा सरकार ने मिलावटी और असुरक्षित खाद्य पदार्थों के खिलाफ निर्णायक रुख अपनाते हुए दूध और दुग्ध उत्पादों की बिक्री में गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने साफ शब्दों में कहा कि जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। राज्य में मिलावट के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति लागू है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन हरियाणा के आयुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि दिसंबर 2025 से 20 जनवरी, 2026 तक प्रदेशभर में दूध, पनीर, देसी घी और अन्य दुग्ध उत्पादों के सैंपल लेकर सरकारी प्रयोगशालाओं में जांच कराई गई। जांच रिपोर्ट में कई नमूने असुरक्षित, अवमानक और गलत ब्रांडिंग वाले पाए गए, जिसके बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। पलवल, हिसार, नूंह, महेंद्रगढ़, झज्जर, रेवाड़ी और पानीपत सहित कई जिलों में छापेमारी की गई। कई जगह पनीर और देसी घी के नमूने फेल पाए जाने पर बिक्री पर रोक लगाई गई। गंभीर मामलों में दुकानों को सील किया गया और एफआईआर भी दर्ज हुई। हिसार में राधिका इंटरप्राइजिज सहित कई प्रतिष्ठानों से लिए गए देसी घी के सैंपल असुरक्षित पाए गए, जिसके बाद दुकानें सील कर कार्रवाई की गई। नूंह में गलत ब्रांडिंग वाले देसी घी और पनीर के मामलों में कानूनी प्रक्रिया शुरू हुई। महेंद्रगढ़, झज्जर, रेवाड़ी और पानीपत में भी देसी घी के नमूने जांच में फेल होने पर संबंधित कारोबारियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं।

पूर्व सैनिक मा. धर्मपाल शर्मा ने उम्र को दी मात

भिवानी. दौड़ लगाओ, स्वास्थ्य को पग-पग बढ़ाओ- यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए जीवन का मंत्र बन गया है जो उम्र को महज एक आंकड़ा मानते हैं। रविवार को भिवानी के एमके अस्पताल द्वारा आयोजित द ग्रेट भिवानी रन में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जिसने युवाओं के जोश को भी पीछे छोड़ दिया। मैराथन के केंद्र बिंदु रहे 70 वर्षीय पूर्व सैनिक मास्टर धर्मपाल शर्मा, जिन्होंने अपनी जीवटता का परिचय देते हुए 21.1 किलोमीटर की हॉफ मैराथन को सफलतापूर्वक पूरा किया। रविवार अल सुबह जब भिवानी की सड? मैराथन धावकों के कदमों की ताल से गूंज रही थीं, तब मास्टर धर्मपाल शर्मा फौलादी इरादों के साथ ट्रैक पर उतरे। उन्होंने दो घंटे 25 मिनट के शानदार समय में दौड़ पूरी की। उनकी इस उपलब्धि पर एमके अस्पताल प्रबंधन ने उन्हे विशेष रूप से सम्मानित किया और मैडल प्रदान किया। मैराथन के समापन पर वहां मौजूद युवा धावकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। कई युवाओं के लिए धर्मपाल शर्मा अब एक फिटनेस आइकन बन चुके हैं। इस मौके पर मास्टर धर्मपाल शर्मा ने युवाओं और समाज के लिए एक सशक्त संदेश दिया तथ कहा कि सेना की ट्रेनिंग ने मुझे कभी हार न मानना सिखाया है। लोग कहते हैं कि 70 की उम्र आराम करने की होती है, लेकिन मेरा मानना है कि शरीर तब तक साथ देता है जब तक आपका मन मजबूत है।

कार्यक्रम — सेक्टर-29 स्थित लेजर वैली पार्क ग्राउंड में 'सरस आजीविका मेला-2026' का भव्य आयोजन किया जाएगा

गुड़गांव में दिखेगा ग्रामीण शिल्प व महिला सशक्तिकरण का दिखेगा अद्भुत संगम

पंचकूला ऑब्जर्वर संवाददाता

गुड़गांव. गुड़गांव एक बार फिर देश की ग्रामीण परंपराओं, लोक कलाओं और महिला उद्यमिता के रंगों से सराबोर होने जा रही है। सेक्टर-29 स्थित लेजर वैली पार्क ग्राउंड में 'सरस आजीविका मेला-2026' का भव्य आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर के इस मेले का उद्घाटन केंद्रीय ग्रामीण विकास तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी और कमलेश पासवान विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे। 10 फरवरी से 26 फरवरी तक चलने वाले इस मेले में 'मिनी भारत' की जीवंत झलक देखने को मिलेगी। इस वर्ष का सरस मेला अपने आप में ऐतिहासिक है। मेले में देश के 28 राज्यों से आईं लगभग 900 से अधिक महिला उद्यमी भाग ले रही हैं, जो विभिन्न स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हैं। मेला परिसर में 450 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं, जहां उत्तर में कश्मीर के पश्मीना से लेकर दक्षिण में तमिलनाडु के सिल्क तक और पश्चिम में राजस्थान की कढ़ाई से लेकर पूर्व में असम के बांस शिल्प तक, सब कुछ एक ही छत के नीचे उपलब्ध है। इन दीदियों द्वारा बनाये गये प्रीमियम उत्पाद को अब 'ई-सरस' एप से भी खरीदा जा सकता है। मेले के दौरान आयोजित संवाददाता सम्मेलन में केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्वाति शर्मा ने स्वयं सहायता समूहों की प्रगति पर महत्वपूर्ण तथ्य साझा किए। उन्होंने बताया कि %दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन% के तहत वर्तमान में देश की 10 करोड़ से ज्यादा महिलाएं संगठित हैं। साथ ही उन्होंने बताया कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य दिया गया था जिसमें से दिसंबर 2025 तक 2.9 करोड़ दीदी लखपति बन चुकी हैं, और आने वाले कुछ ही समय में इसे पूरा कर लिया जाएगा। स्वाति शर्मा ने एक महत्वपूर्ण वित्तीय पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की ईमानदारी और आर्थिक उन्नति के कारण बैंकिंग सेक्टर में उनका विश्वास ब?ा है। उन्होंने साझा किया कि विभिन्न राज्यों में स्वयं सहायता समूहों का एनपीए (नॉन-परफॉर्मिंग एसेट) घटकर 2 प्रतिशत से भी कम रह गया है, जो इस बात का प्रमाण है कि ग्रामीण महिलाएं अपने ऋण का भुगतान समय पर कर रही हैं और वित्तीय प्रबंधन में कुशल हो रही हैं। इस बार सरस मेले का एक मुख्य आकर्षण %नॉलेज एंड लर्निंग पवेलियन% है। यहाँ केवल उत्पादों की बिक्री नहीं हो रही, बल्कि महिला उद्यमियों के लिए प्रतिदिन विशेष कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। इन सत्रों में महिलाओं को पैकेजिंग, ब्रांडिंग, बिजनेस प्रपोजल तैयार करने और सोशल मीडिया मार्केटिंग के गुर सिखाए जा रहे हैं।

पाताल लोक 2 फेम एक्टर प्रशांत तमांग का 43 की उम्र में निधन, दिल का दौरा पड़ने से गई जान

मुंबई. मनोरंजन जगत से हाल ही में एक बुरी खबर सामने आ रही है। फेमस सिंगर और वेब सीरीज पाताल लोक 2 में नजर आ चुके एक्टर प्रशांत तमांग अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनका 43 साल की उम्र में निधन हो गया है। प्रशात के निधन की पुष्टि फिल्ममेकर राजेश घाटानी ने की है। इसके साथ ही सिंगर महेश सेवा ने सोशल मीडिया के जरिए दिवंगत एक्टर को श्रद्धांजलि दी है। यह दुखद समाचार सामने आते ही इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। सिंगर महेश सेवा के बताया प्रशांत तमांग का निधन दिल का दौरा पड़ने से हुआ है। उन्होंने रविवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए प्रशांत तमांग को श्रद्धांजलि दी और लिखा- 'प्यारे भाई प्रशांत के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पण करता हूं।' वीं, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी प्रशांत के निधन पर दुख व्यक्त किया और एक्स पर लिखा, 'इंडियन आइडल फेम और मशहूर सिंगर प्रशांत तमांग के आज अचानक और असमय निधन से बहुत दुख हुआ। उनका संबंध हमारे दार्जिलिंग से भी था। मैं उनके परिवार, दोस्तों और अनगिनत फैंस के लिए अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं।' बता दें, 43 साल के प्रशांत तमांग टीवी शो इंडियन आइडल-3 के विजेता रह चुके थे इस रियालिटी शो में आने से पहले वह कोलकाता पुलिस में थे और समय-समय पर पुलिस कार्यक्रमों में गाते थे। इसके बाद वह टीवी शो इंडियन आइडल में आए और इसके विनर बने। इंडियन आइडल जीतने के बाद प्रशांत ने सोनी बीएमजी के साथ अपना पहला एल्बम निकाला, जिसमें हिंदी और नेपाली गाने थे।

छोटी ऐश्वर्या सारा अर्जुन ने साड़ी में दिखाया रॉयल लुक, अदाओं से सबका ध्यान खींचा

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली सारा अर्जुन एक बार फिर अपने लुक को लेकर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने साड़ी पहनकर महारानी जैसा रॉयल अंदाज दिखाया, जिसे देखकर हर कोई उन्हें निहारता रह गया। इंस्टाग्राम पर उनके यह फोटोस भी वायरल हो रहे हैं। सारा अर्जुन ने इंडस्ट्री में कदम रखते ही अपनी खूबसूरती और स्टाइल से सभी का दिल जीत लिया है। उनकी स्टाइलिंग इतनी खास है कि 20 साल की उम्र में भी बड़ी-बड़ी हसीनाओं को मात दे जाती है। हाल ही में फिल्म 'यूफोरिया' के प्रीमियर में सारा ने साड़ी पहनकर रॉयल अंदाज में एंट्री की। साड़ी की ड्रेपिंग, जूलरी और मेकअप पर सारा ने खास ध्यान दिया, जिससे उनका लुक परफेक्ट और फैशन गोल्स जैसा नजर आया। सारा ने दिवानी लेबल की गोल्डन शाइन वाली कस्टम साड़ी पहनी थी। यह साड़ी ट्रेडिशनल जरदोजी वर्क के साथ डिज़ाइन की गई थी, जो रॉयल लुक देती है। साड़ी के बेस फैब्रिक में मेटैलिक शाइन है, जो सिल्क साड़ी को और रिच बनाता है।हल्की क्रिस्पनेस और प्लीट्स ने साड़ी को स्ट्रक्चर्ड और रॉयल लुक दिया। साड़ी के डार्क गोल्ड-ब्रॉन्ज टोन और हैंडक्राफ्टेड जरदोजी वर्क में बीड्स और सेक्विन का काम इसे हेरिटेज लुक देता है। फ्लोरल बेल वाली डीटेलिंग और बीच में रेड स्टोन ने साड़ी की खूबसूरती और बढ़ा दी। सारा ने साड़ी के साथ सॉलिड ब्लैक फुल स्लीव ब्लाउज पहना। ब्लाउज पर कोई वर्क या पैटर्न नहीं था, जिससे साड़ी खुद ब खुद हाइलाइट हुई। डीप नेकलाइन और बैक पर डोरी वाला डिजाइन लुक में टीज एलिमेंट ले आया। सारा ने पल्लू को कभी ओपन रखा तो कभी महारानी स्टाइल में दूसरे हाथ पर कैरी किया। सारा ने स्टाइलिंग में हैवी नेकपीस छोड़कर स्टेटमेंट झुमके चुने, जिसमें रेड और ग्रीन पर्ल्स और रेड स्टोन थे। मेकअप सॉफ्ट और ग्लैम रखा, जिससे साड़ी की रिचनेस ओवरपावर नहीं हुई। बालों को वैवी रखा और एम्ब्रॉयडरी पोटली बैग से लुक को पूरा किया। सारा का यह लुक आम महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन सकता है। कुछ आसान टिप्स साड़ी चुनते समय अगर हैवी बॉर्डर या कढ़ाई है, तो बेस सॉलिड और रिच टोन में रखें (जैसे गोल्ड, ब्रॉन्ज, कॉपर या डीप शेड्स)। ब्लाउज को सिंपल रखें ताकि साड़ी क्लासी दिखे। जूलरी ओवर न करें, बस स्टेटमेंट ईयररिंग्स पहनें। पोटली या क्लच बैग ऐड करें, जिससे लुक और रिच लगे।

रिमी सेन के बदले लुक ने इंटरनेट पर मचाया बवाल, यूजर्स बोले - 'बिलकुल अच्छी नहीं लग रही'

फिल्मों 'हंगामा', 'क्यों', और 'हेरा फेरी' जैसी हिट फिल्मों में अपनी जबरदस्त एक्टिंग के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस रीमी सेन आज भी लोगों की यादों में ताजा हैं। अपनी प्यारी मुस्कान और नेचुरल लुक के लिए हमेशा सुर्खियों में रहने वाली रीमी अब सोशल मीडिया पर एक अलग वजह से चर्चा में हैं। हाल ही में दुबई में एक इवेंट के दौरान उनका वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वो पैसे की पावर और सफलता के बारे में बात करती नजर आ रही थीं। वीडियो में रीमी का चेहरा अब पहले जैसा नहीं दिख रहा। सोशल मीडिया यूजर्स ने रीमी के लुक पर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। कई लोगों का कहना है कि उनका चेहरा अब अर्टिफिशियल और नॅचुरल ब्यूटी से बहुत दूर लग रहा है। यूजर्स ने लिखा कि रीमी पहले की तरह प्यारी और आकर्षक नहीं लग रही हैं। उनके अनुसार, प्राकृतिक सुंदरता हमेशा ज्यादा प्रभावशाली होती है। रीमी ने अपने करियर की शुरुआत 2002 में की थी

रीमी सेन की पॉपुलर फिल्मों की यादें

और जल्दी ही हिट फिल्मों में जगह बना ली थी। 'हंगामा', 'क्यों', और 'हेरा फेरी' जैसी कॉमेडी फिल्मों में उनकी एक्टिंग को दर्शकों ने खूब पसंद किया। उनके चेहरे की मासूमियत और सरलता उन्हें खास बनाती थी। ऐसे समय में उनका लुक और उनकी मुस्कान फैंस के लिए पहचान बन गई थी।

प्लास्टिक सर्जरी और बदलाव

हालिया वीडियो में यह साफ दिखाई दे रहा है कि रीमी ने अपने चेहरे पर कुछ बदलाव कराए हैं। ये बदलाव सोशल मीडिया पर उनके फैंस और यूजर्स के लिए चौंकाने वाले साबित हुए हैं। बहुत से लोग मानते हैं कि चेहरे की नेचुरल सुंदरता में बदलाव करने के बाद उनका लुक अब पहले जैसा आकर्षक नहीं रहा। कुछ फैंस ने उन्हें पहले वाली मुस्कान और लुक की याद दिलाई है। सोशल मीडिया पर फैंस का कहना है कि रीमी का चेहरा अब ज्यादा आर्टिफिशियल और प्लास्टिक जैसा लग रहा है। कई यूजर्स ने लिखा कि नेचुरल ब्यूटी कभी भी नकल या बदलाव से पूरी तरह नहीं आ सकती। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि रीमी पहले ज्यादा प्यारी और फ्रेश दिखती थीं। रीमी सेन हमेशा से अपनी एक्टिंग और मासूमियत के लिए जानी गई हैं। हालांकि उनका चेहरा अब बदल चुका है, लेकिन उनके काम और फिल्मों की लोकप्रियता अभी भी बरकरार है। यह बदलाव दर्शकों के लिए चौंकाने वाला हो सकता है, लेकिन यह सच भी है कि सभी का लुक बदलना समय के साथ स्वाभाविक है, और हर किसी का अपने हिसाब से सुंदर दिखने का तरीका अलग होता है।

यादा वजन भी ले सकता है जान, मोटापा दे रहा खतरनाक बीमारियों को न्योता

मोटापा आज सिर्फ सौंदर्य से जुड़ी समस्या नहीं, बल्कि कई गंभीर बीमारियों की जड़ बन चुका है। जब शरीर में जरूरत से ज़्यादा चर्बी जमा होने लगती है, तो यह अंदर ही अंदर शरीर के सिस्टम को नुकसान पहुंचाने लगता है और बीमारियां चुपचाप दस्तक दे देती हैं। द लांसेट पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार मोटापाग्रस्त लोगों के फ्लू, कोरोना वायरस और निमोनिया सहित संक्रामक बीमारियों के कारण अस्पताल में भर्ती होने या उनकी मौत होने की आशंका 70 प्रतिशत अधिक होती है। शोधकर्ताओं ने कहा कि 2023 में दुनिया भर में संक्रमण से होने वाली हर 10 में से एक मौत मोटापे से जुड़ी थी, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि मोटापे के वैश्विक प्रभाव को सावधानी से समझना चाहिए। ब्रिटेन और फिनलैंड के शोधकर्ताओं ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान मोटापे से ग्रस्त लोगों में सार्स-कोव-2 संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने या मौत होने का जोखिम अधिक देखा गया। टीम ने यूके बायोबैंक और फिनलैंड से प्राप्त 5,40,000 से अधिक लोगों के डेटा का विश्लेषण किया। शोधकर्ताओं ने कहा, 5,40,000 से अधिक लोगों पर किए गए अध्ययन से पता चलता है कि मोटापे से ग्रस्त लोगों में संक्रामक बीमारी से अस्पताल में भर्ती होने या मौत की संभावना 70 प्रतिशत अधिक होती है। सबसे गंभीर मोटापे से ग्रस्त लोगों को तीन गुना अधिक जोखिम का सामना करना पड़ता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि 2023 में संक्रामक रोगों से हुईं 54 लाख मौत में से छह लाख मौत (10.8 प्रतिशत) के मामलों में मोटापा एक प्रमुख कारक हो सकता है। मोटापे को नजरअंदाज करना मतलब बीमारियों को खुला न्योता देना। अच्छी बात यह है कि थोड़ा-सा वजन कम होते ही सेहत में बड़ा फर्क दिखने लगता है।

किन लोगों को अजवाइन का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए

अजवाइन भारतीय रसोई में एक महत्वपूर्ण मसाला है और इसके कई स्वास्थ्य लाभ भी हैं। यह पेट की समस्याओं, गैस, अपच और सूजन को कम करने में मदद करता है। हालांकि, हर किसी के लिए अजवाइन का सेवन सुरक्षित नहीं होता। कुछ लोग हैं, जिन्हें अजवाइन का सेवन बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह उनकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। जानें किन लोगों को अजवाइन से बचना चाहिए। अजवाइन में तेजाब जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो पेट में जलन और एसिडिटी को बढ़ा सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति को गैस्ट्रिक अल्सर, एसिड रिफ्लक्स या पेट की अन्य समस्याएं हैं, तो अजवाइन का सेवन उनके लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसे लोगों को इसे बिना डॉक्टर की सलाह के बिल्कुल नहीं लेना चाहिए।

अजवाइन का सेवन ब्लड प्रेशर को प्रभावित कर सकता है। हाई ब्लड प्रेशर या लो ब्लड प्रेशर से ग्रस्त लोग इसे बिना डॉक्टर की सलाह के नहीं लें। क्योंकि अजवाइन के कुछ तत्व रक्तचाप को अचानक बढ़ा या घटा सकते हैं, जिससे हार्ट संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए इस समूह के लोग इसे

सुरक्षित मात्रा में और चिकित्सक की सलाह के बाद ही इस्तेमाल करें।

प्रेग्नेंट महिलाएं

अजवाइन का अधिक सेवन गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक हो सकता है। इसमें मौजूद तत्व गर्भाशय की मांसपेशियों को उत्तेजित कर सकते हैं, जिससे समय से पहले संकुचन या मृतक जन्म का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए गर्भावस्था में अजवाइन का उपयोग केवल डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए और हमेशा सावधानीपूर्वक मात्रा में ही लें।

बच्चों में सावधानी

छोटे बच्चों को अजवाइन के बीज सीधे नहीं देना चाहिए, क्योंकि यह उनके नाजुक पेट को परेशान कर सकता है। इसके अलावा, बच्चों में एलर्जी या स्किन रैश का खतरा भी बढ़ सकता है। इसलिए बच्चों को अजवाइन देना हो तो पानी या दूध में भिगोकर हल्का उबालकर ही दें और मात्रा हमेशा सीमित रखें।

किडनी या लीवर की समस्या वाले लोग

अजवाइन में कुछ सक्रिय तत्व किडनी और लीवर पर अतिरिक्त दबाव डाल सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को पहले से ही किडनी या लीवर की बीमारी है, तो अजवाइन का सेवन उनके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। ऐसे मामलों में इसे पूरी तरह से बचना चाहिए या केवल डॉक्टर की सलाह के बाद ही इस्तेमाल करना चाहिए।

सही तरीके से अजवाइन का सेवन

हमेशा थोड़ी मात्रा में अजवाइन का सेवन करें।

बच्चों और बुजुर्गों को हल्की मात्रा ही दें।

पेट की समस्या वाले लोग अजवाइन को भाप या पानी में उबालकर लें।अगर किसी को एलर्जी है, तो अजवाइन बिल्कुल न लें।

अजवाइन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, लेकिन हर किसी के लिए सुरक्षित नहीं। पेट की समस्या, ब्लड प्रेशर, गर्भावस्था या किडनी/लीवर की बीमारी वाले लोग अजवाइन का सेवन डॉक्टर की सलाह के बिना न करें। सही मात्रा और सही तरीके से इसका उपयोग करना जरूरी है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com